ॐ

पाठ - 5

कठिन शब्द

1. विचित्र
2. पुलकित
3. धुंधला
4. निश्चय
5. मृदुल
6. उस्ताद
7. गद्गद
8. मुल्ली
9. अप्रतिभ
10. दस्तूर
11. दुअन्नी
12. स्नेहसिक्त
13. आजानुलंबित
14. वृद्धा
15. प्रतिष्ठित
16. उत्सुक
17. व्यर्थ
18. विस्मयादि

पाठ - 5

शब्दार्थ

शब्द		अर्थ
1. विचित्र	-	अनोखा
2. उद्यान	-	बगीचा
3. सस्ता	-	कम मूल्य की
4. उस्ताद	-	किसी विद्या में निपुण
5. चर्चा	-	किसी विषय पर बातचीत ×
6. साफ़ा	-	पगड़ी
7. चर्चा	-	किसी विषय पर बातचीत
8. स्मरण	-	याद
9. हानि	-	नुकसान
10. निकट	-	पास
11. स्वर	-	आवाज
12. स्नेहासिक्त	-	प्रेम से भीगा हुआ
13. आजानुलम्बित	-	घुटनों तक लंबे बाल
14. चेष्टा	-	कोशिश

2/10

पाठ 5 मिठाईवाला

कहानी से (प्रश्नोत्तर)

प्र०1 मिठाईवाला अलग-अलग चीजें क्यों बेचता था? और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर मिठाईवाला अलग-अलग चीजें इसलिए बेचता था, ताकि एक ही चीज बार-बार मिलने से बच्चे ऊब न जाएँ। उसके महीनों के बाद आने का कारण यह था कि वह इतने समय में सभी बच्चों के लिए दूसरी चीजें जमा करने में लगा रहता था। इसी वजह से बच्चों में उत्सुकता बनी रहती थी।

प्र०2 मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे बड़े भी उनकी ओर खिंचे चले आते थे?

उत्तर मिठाईवाला मादक-मधुर ढंग से गाकर अपनी चीजें बेचता था वह चीजों के दाम भी कम लेता था। वह बच्चों से अपनत्व के भाव से प्रेमपूर्वक और कोमलता से बात करता। इसी कारण बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खींचे चले आते थे।

प्र०3 विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता। दोनों अपने-अपने पक्ष में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर विजय बाबू का तर्क —
दुकानदार को झूठ बोलने की आदत होती है। सबको सामान एक ही भाव में देते हैं पर ग्राहक को दाम ज्यादा बताकर बाद में कम कर देते हो। इससे तुम हम पर अहसान बोझ और डाल देते हो।

मुरलीवाले का तर्क —
ग्राहक को वस्तुओं की लागत का पता नहीं होता, उनका दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर ही वस्तु न बेचे, पर ग्राहक यही समझते हैं कि दुकानदार उन्हें लूट

प्र०५ खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर खिलौनेवाले के आने पर उसकी मधुर आवाज से निकट के मकानों में हलचल मच जाती। युवतियाँ चिकों को उठाकर छज्जे के नीचे से देखने लगती। बच्चे पुलकित हो उठते। वे अपना खेलकूद भूलकर, अपने सामान, जूते-चप्पल, पतलून को अनदेखा कर खिलौनेवाले को घेर लेते थे। वे अपने-अपने घर से पैसे लेकर खिलौने का मोल-भाव करने लग जाते थे।

प्र०६ रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर मुरलीवाले का स्वर रोहिणी को जाना-पहचाना सा लगा। उसे याद आया कि खिलौनेवाला भी इसी प्रकार मधुर कंठ से गाकर खिलौने बेचा करता था इसलिए उसे खिलौनेवाले का स्मरण हो आया।

प्र०७ किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था? उसने इस व्यवसाय को अपनाने का क्या कारण बताया था?

उत्तर रोहिणी की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था। उसने बताया कि वह भी अपने नगर का एक प्रतिष्ठित व्यापारी था। मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोड़े, नौकर-चाकर सभी कुछ था। स्त्री थी। छोटे-छोटे दो बच्चे थे। अब वे इस दुनिया में नहीं रहे इसलिए उसने इस व्यवसाय को अपना लिया क्योंकि उसे अपने बच्चों की झलक दूसरे बच्चों में मिल जाती है। उनके चेहरे की खुशी देखकर उसे असीम संतोष मिलता है।

प्र०८ "अब इस बार ये पैसे न लूँगा" इस कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर कहानी के अंत में मिठाईवाले ने पैसे लेने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि पहली बार किसी ने उसके दुःख को समझने का प्रयास किया। साथ ही उसे चुन्नू-मुन्नू में अपने ही बच्चे नजर आए उसे लगा कि वह अपने बच्चों को मिठाई दे रहा है।

प्र.8 इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती है? यदि करती है तो क्यों आपकी राय में क्या यह सही है?

उत्तर शहरों में स्त्रियाँ चिक के पीछे से बात नहीं करती परन्तु आज भी गाँवों में तथा रूढ़िवादी परिवारों में इनका पालन होता है क्योंकि ऐसा करना संस्कार के साथ-साथ सम्मान के तौर पर लिया जाता है।

मेरी राय में यह बिल्कुल भी उचित नहीं है चूँकि ये स्त्रियों की स्वतंत्रता को हनन करने जैसा है। ये उनकी प्रगति को तो रोकता है ही साथ ही देश की प्रगति में भी संकट पैदा करता है।

2018

पाठ 6

कहानी से आगे (उत्तीर्ण)

प्र०१ मिठाईवाले के परिवार के साथ क्या हुआ होगा? सोचिए और इस आधार पर एक और कहानी बनाइए?

उत्तर कहानी को पढ़ने के बाद लगता है कि मिठाईवाले ने किसी दुर्घटना में अपनी पत्नी और बच्चों को खो दिया होगा।

शहर में एक प्रतिष्ठित परिवार रहता था। राम प्रकाश जी अपनी सुंदर सुशील पत्नी गौरी देवी व दो बच्चे रीना और राजू के साथ सुख समृद्धि से जीवन बिता रहे थे। उनको अपने व्यवसाय में बहुत मुनाफा हो रहा था। पत्नी घर का सारा काम-काज संभालती थी और बच्चों की पढ़ाई अच्छी चल रही थी।

ऊपर वाले ने शायद राम प्रकाश जी की किस्मत में कुछ और लिखा था, वरना भला किसने सोचा था कि उनका वह सपरिवार घूमने का कार्यक्रम इस तरह पूरा होगा। वे अपनी कार से चल रहे थे अचानक उनकी कार.........

प्र०२ हाट-मेले शादी आदि आयोजनों में कौन-कौनसी चीजें आपको सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं? उनको सजाने-बनाने में किसका हाथ होगा? उन चेहरों के बारे में लिखिए।

उत्तर हाट-मेले शादी आदि आयोजनों में मुझे हाथ की बनी अनूठी चीजें और अनोखे ढंग से की गई सजावट सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। साथ ही मिठाइयाँ खिलौने चाट-पकौड़े झूले भी बहुत अच्छे लगते हैं।

प्र०३ इस कहानी में मिठाईवाला दूसरों को प्यार और खुशी देकर अपना दुःख कम करता है।

पृ० अनुमान और कल्पना

प्र० आपकी गलियों में कई अजनबी फेरीवाले आते होंगे। आप उनके बारे में क्या-क्या जानते हैं? अगली बार जब आपकी गली में कोई फेरीवाला आए तो उससे बातचीत कर जानने की कोशिश कीजिए।

उत्तर हाँ, हमारी गलियों में भी कई अजनबी फेरीवाले आते हैं। उनमें सबसे अधिक आनेवाले हैं, सब्जीवाला अंडा-ब्रेड वाला, चाटवाला कुल्फीवाला आदि।

हर फेरीवाले के बारे में हमें पता चल जाता है कि वह क्या सामान बेचने आया है, सबका सुर और आवाज लगाने का तरीका अलग होता है। साथ ही उनके आने का समय भी अलग-अलग होता है।

बातचीत कुछ इस प्रकार की जा सकती है।
रोज उस गली में आने का समय। समान का मोल भाव। उसका नाम व पता। सामान वह कहाँ से खरीद के लाते हैं। बनाने का तरीका।

प्र० आपके माता-पिता के जमाने से लेकर अब तक फेरी की आवाजों में कैसा बदलाव आया है? बड़ों से पूछकर लिखिए।

उत्तर हमारे माता-पिता के जमाने में घर दूर-दूर होने की वजह से फेरीवालों को ऊंची आवाज और एक सुर में बोलना पड़ता था, लेकिन आवाज बदलते समय के साथ किसी विशेष प्रकार की घंटी, भोंपू आदि की आवाज सभी को सूचित कर देते हैं।

पुराने जमाने में वातावरण शांत होने की वजह से उनकी सुरीली आवाजें दूर तक सुनाई दे जाती थी लेकिन आजकल बढ़ते शोर की वजह से उन्हें इन यंत्रों का सहारा लेना पड़ता है।

प्र०3 क्या आपको लगता है कि वक्त के साथ फेरी के स्वर कम हुए हैं? कारण लिखिए।

उत्तर हाँ, मुझे लगता है कि वक्त के साथ फेरी के स्वर कम हुए हैं। इसके मुख्य कारण इस प्रकार है।

* हर गली नुक्कड़ में छोटी बड़ी दुकानें जरूरत का सामान आसानी से उपलब्ध करवा देती है।
* हर इंसान के पास दुकानों व शहरों तक पहुँचाने के लिए यातायात के साधन बढ़ गए है।
* ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा से भी फेरीवाले की संख्या घटी

पाठ 5

भाषा की बात

1 मिठाईवाला बोलने वाली गुड़िया

ऊपर "वाला" का प्रयोग है। अब बताइये कि —

(क) 'वाला' से पहले आनेवाले शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि में से क्या है?

(ख) ऊपर लिखे वाक्यांशों में उनका क्या प्रयोग है?

उत्तर क. मिठाई शब्द संज्ञा है तथा बोलना क्रिया

ख. मिठाईवाला शब्द विशेषण है जबकि बोलनेवाली गुड़िया में गुड़िया संज्ञा है जबकि 'बोलनेवाली' शब्द विशेषण है जो गुड़िया की विशेषता बता रहा है।

प्र.2 "अच्छा मुझे वक्त नहीं, जल्दी से दो ठो निकाल दो।"

- उपर्युक्त वाक्य में 'ठो' के प्रयोग की ओर ध्यान दीजिए। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की भाषाओं में इस शब्द का प्रयोग संख्यावाची शब्द के साथ होता है, जैसे भोजपुरी में — एक ठो लड़का, चार ठो आलू, तीन ठो बटुली। ~~ऐसे शब्द का प्र~~
- ऐसे शब्दों का प्रयोग भारत की कई अन्य भाषाओं / बोलियों में भी होता है। पता कीजिए किस किसकी भाषा-बोली में ऐसा है।

उत्तर भोजपुरी, बंगाली, असमिया आदि कई भाषाओं में 'ठो' का प्रयोग होता है।

प्र.3 "वे भी जान पड़ता है, पार्क में खेलने निकल गए हैं।"

"क्यों भई, किस तरह देते हो मुरली?"

"दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है, जरा कमरे में चलकर ठहराओ।" भाषा के प्रयोग पढ़ने सुनने में नहीं आते, आप ये बातें कैसे कहेंगे?

उत्तर लगता है वे भी पार्क में खेलने चले गए हैं?

भैया, इस मुरली का मूल्य क्या है? दादी चुन्नू मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है जरा जाकर उसे कमरे में बैठाओ।

कुछ करने को

प्र०१ फेरीवाले की दिनचर्या कैसी होती होगी ? उनका घर परिवार कहाँ होगा? उनकी जिंदगी में किस प्रकार की समस्याएँ और उतार – चढ़ाव आते होंगे ? यह जानने के लिए विद्यार्थी समूह बनाएं प्रश्न तैयार करें। फेरीवालोंसे बातचीत करें। प्रत्येक समूह अलग-अलग व्यवसाय से जुड़े फेरीवालों से बात करें।

उत्तर फेरीवालों की दिनचर्या बहुत कठिन होती है। वह अपने काम पर सुबह-सुबह निकल जाते हैं और देर रात वापस आते हैं। उनके जीवन में कई समस्याएँ होती हैं, जैसे — सामान का पूरा न बिक पाना, खराब मौसम में बाहर न जा पाना, कम सामान बिकने के कारण नुकसान होना।

प्र०२ इस कहानी को पढ़कर क्या आपको यह अनुभूति हुई कि दूसरों के प्यार और खुशी देने से अपने मन का दुख कम हो जाता है? समूह में बातचीत कीजिए।

उत्तर हाँ, यह कहानी पढ़ने के बाद हमें यह अनुभूति हुई कि दूसरों को प्यार और खुशी देने से अपने मन का दुःख कम हो जाता है। जिस प्रकार मिठाईवाले की पत्नी और बच्चों के चले जाने के बाद उसने दूसरे बच्चों को प्यार और खुशी दी जिससे वह अपने दुःख को भूल यह महसूस करता है कि वह अपने ही बच्चों के संग हँस बोल रहा है।

प्र०३ अपनी कल्पना की मदद से मिठाईवाले का चित्र शब्दों के माध्यम से बनाइये।

उत्तर मिठाईवाले की उम्र लगभग 30 - 32 साल थी। उसका शरीर दुबला - पतला व रंग गोरा था। वह बीकानेरी रंगीन साफा बाँधता था। सिर पर टोकरी, पैरों में चप्पल, कुर्ता - पजामा पहने, कंधे पर गमछा लिए। वह अपने पास रबड़ी और मीठी गोलियाँ रखता था। उसकी आवाज मधुर मादक थी व बच्चों से उसे बहुत लगाव था।